नमस्कार.....

नमस्कार नर सेवा ही नारायण सेवा है और यदि नर दिव्यांग है, दीन है, तथा हमारी और आशा भरी नजरों से देख रहा है तो वह सेवा तो साक्षात परामात्मा की अनंत सेवा प्रतीत होगी इसी वाक्य को ध्यान मे रखकर हमारे द्वारा राष्ट्रीय दिव्यांग एकता मंच के नाम से ऑनलाइन नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म तैयार किया गया है जिसका उदेश्य किसी भी प्रकार की सहायता चाहने वाले दिव्यांगों का पंजियन तथा किसी भी प्रकार की सहायता देने वाले आम नागरिकें अथवा जन सेवकों का पंजियन एवं साथ ही शासकीय, अशासकीय संस्थाओं, दिव्यांग उपकरण बनाने वाली फर्मो एवं सीएसआर अंतर्गत फंड देने वाली वृहद कंपनीयों, शिक्षण संस्थानों को जो दिव्यांगों को किसी न किसी प्रकार से मदद करने हेतु तत्पर है सभी को एक प्लेटफार्म पर लाना है। ताकी सहायता देने वाले व सहायता पाने वाले दोनों एक दूसरे से प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से जूड सकें यद्यपि विश्व के साथ ही अब देश मे भी केन्द्र सरकार, राज्य सरकारें, विभिन्न शासकीय–अशासकीय संस्थाए ट्रस्ट आम नागरिक किसी न किसी माध्यम से दिव्यांगो की सेवा मे लगातार कार्य कर रहे है, परंतु यह कार्य अलग–अलग किए जाने के कारण तथा दिव्यांगों की वास्तविक समस्याओं से अनभिज्ञ होने के कारण उसका प्रतिफल नहीं के बराबर दिखाई देता है। हमें यह भी ज्ञात है की हर व्यक्ति में परमात्मा विराजमान है तथा वह कही ना कहीं इस जीवन में नर सेवा नारायण सेवा के रूप में करने हेुत इच्छुक है। परंतु वह इस दुविधा में रहते है कि मै कैसे अकेला किसी की सहायता कर सकता हूँ। तथा उससे क्या फर्क पड़ने वाला है।

राष्ट्रीय दिव्यांग एकता मंच के द्वारा यही प्रयास किया जा रहा है कि दिव्यांग आम नागरिकों जो की सेवा लेने अथवा सेवा देने हेतु तत्पर है उन्हें एक जगह मिलाया जाए एवं सही व्यक्ति को सही माध्य से सही व्यक्ति द्वारा सहायता प्रदान की जा सकें। राष्ट्रीय दिव्यांग एकता मंच का विश्व एवं देश के प्रत्येक नागरिक से करबध्द अनुरोध है कि ऑनलाइन नेटवर्क के इस प्लेटफार्म पर जुड़े एवं तन–मन–धन जो जिस प्रकार सेवायें प्रदान कर सकता है अपना सहयोग प्रदान करें।

यहॉ तन–मन से तात्पर्य इस मैसेज को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचा कर हमारे इस प्रयास में अपनी प्रार्थनाओं के बल पर तथा लोगों को प्रेरित कर जोड़ने से एवं धन को देने से है। तात्पर्य धन के दान से क्योकि आपके द्वारा मंदिर–मस्जिदों एवं अन्य विभिन्न संस्थानो पर दान दिया जाता है, परंतु वह दान परमात्मा के पास ना जाकर उस दान का क्या उपयोग हो रहा है इसकी जानकारी भी आप तक नहीं होती है। राष्ट्रीय दिव्यांग एकता मंच प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी राशि धन के रूप में स्वीकार नहीं करेंगा परंतु आपके द्वारा एक रूपय से लेकर अनंत रूपए तक दान देने की इच्छा होने पर ऐसी सेवाभी संस्थाओं , शासकीय उपक्रमों के नाम सुझाव के रूप में प्रदाय करेगा जहॉ आपके सेवाधन का सही उपयोग किया जाकर आपकों उसकी सूचना एवं व्यक्तिगत रूप से समस्त प्रपत्र फोटो आदि प्रदाय किये जावेगें साथ ही जिस दिव्यांग को सहायता प्रदाय की जा रही है उससे भी प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से भेट भी कराई जावेगी।

हम इस प्रयास को एक अभियान के रूप मे लेकर भारत देश के **3.5Cr** दिव्यांग के पुनर्वास करने का अनुठा प्रयास कर सकते है वर्तमान में हमारे पास सहायता प्राप्त करने वाले 75 लाख दिव्यांगों का पंजिकरण ऑनलाइन किया जा चूका है। नीचे दी गई लिंक पर जाकर आप सेवा कार्य हेतु दिव्यांग होने पर सेवा प्राप्त करने हेतु अपनी जानकारी दर्ज करा सकते है।

तथा राष्ट्रीय दिव्यांग एकता मंच के सदस्य बनकर इस अभियान से जुड़े एवं परमात्मा की सेवा का शुभ अवसर प्राप्त करें। इस संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहूंचाएं एवं राष्ट्रीय दिव्यांग एकता मंच से सहयोग पाने एवं सहयोग देने हेतु सदस्य बनाएं।